शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

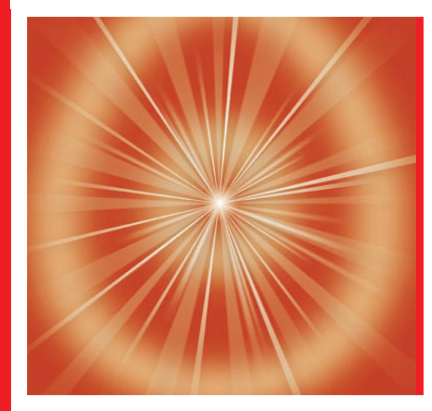

वर्ष: 5, अंक:01 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | अन्दर में महाशिवरात्रि विशेषांक जरूर पढ़ें | हिन्दी (मासिक), - 2017, जनवरी सिरोही, पृष्ठ: 4, मूल्य: 7.50 रुपए

स्वयं को पहचानने से होगी अनुभूति ...पेज - 2

अपनी खूबी को संभाल कर रखें ...पेज - 2

संत सम्मेलन में जुटे देश के संत, आध्यात्मिकता का आह्वान ...पेज - 3

बीके कोमल को राजीव गांधी एक्सीलेन्स अवार्ड का सम्मान ...पेज - 3

आंतरिक और बाह्य प्रकृति के जुड़ने से ग्लोबल वेलनेस ...पेज - 4

लंदन के साउथ हॉल में आध्यात्मिक कार्यक्रम ...पेज - 4

48वां दिव्य पुण्य स्मृति दिवस : संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 18 जनवरी को हुए थे अव्यक्त

विश्व शांति के महानायक 'प्रजापिता ब्रह्मा बाबा'

इस दुनिया में कुछ लोग इतिहास बनाते हैं तो कुछ लोग ऐसे कर्म कर जाते हैं जो स्वयं इतिहास बन जाते हैं। वह अपने पीछे ऐसे निशान छोड़ जाते हैं जो करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक, पथप्रदर्शक और प्रेरणास्त्रोत बन जाते हैं। ऐसे महान, तपस्वी, पुण्यात्मा, दिव्यगुणों से संपन्न, नई दुनिया के आधार स्तम्भ बने प्रजापिता ब्रह्मा बाबा। जिन्हें स्वयं परमपिता शिव परमात्मा ने अपना आधार स्तम्भ बनाया, उनके शरीर रूपी रथ का उपयोग किया। साथ ही सृष्टि के नवनिर्माण की आधारशिला रखी। आइए जानते हैं दादा लेखराज कैसे बने प्रजापिता ब्रह्मा और विश्व शांति के महानायक।

शिव आमंत्रण ■ माउण्ट आबू

कहते है पूत के लक्षण पालने में ही दिखाई देते हैं। सन् 1876 में सिंध के कृपलानी परिवार में एक बालक का जन्म हुआ। जिसका नाम रखा गया लेखराज। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि आगे चलकर यह बालक परमपिता शिव परमात्मा के रथ के रूप में नई सतयुगी दुनिया के स्थापना के कार्य में युगपुरुष की भूमिका निभाएगा।

लेखराज के माता-पिता वल्लभाचारी भक्त थे। वह एक स्कूल में प्रधानाध्यापक थे। वहीं माता भी नारायण की अनन्य भक्त थी। उनकी सुबह, भक्ति से शुरू होती थी और रात भी भक्ति में खत्म होती थी। लेखराज के माता-पिता का क्षेत्र में काफी प्रभाव था और लोग उन्हें आदर भाव देते थे। लेखराज को भक्तिभाव के संस्कार बचपन में ही विरासत के रूप में मिले। लेखराज को माता-पिता की पालना ज्यादा समय तक नहीं मिली। बचपन में ही उनकी माता का निधन हो गया। और कुछ समय बाद पिता का साया भी सिर से उठ गया। उसके बाद उनकी पालना चाचा ने की। चाचा एक व्यापारी थे। इस तरह लेखराज भी व्यापार में चाचा के साथ हाथ बंटाने लगे।

लेखराज में ईमानदारी और दयाभाव इतना था कि वह गेहूं तौलते समय ज्यादा गेहूं तौलते थे। वहीं कोई गरीब ग्राहक आ जाता तो उसे मुफ्त में भी गेहूं दे देते थे। जिसके चलते उन्हें कई बार चाचा की डांट भी खानी पड़ जाती थी।

सामान्य व्यापारी से बने प्रसिद्ध जौहरी

दादा लेखराज की बुद्धि बचपन से ही तीक्ष्ण व कुशाग्र थी। जिसके चलते वह कुछ ही समय में साधारण एवं छोटे से व्यापारी से प्रसिद्ध जौहरी बन गए। उन्हें हीरे-जवाहरातों की अचूक परख थी। अपने ईमानदारी और सच्चाई के गुण के कारण लेखराज राजाओं-महाराजाओं से लेकर धनाढ्य व्यक्तियों में प्रसिद्ध हो गए। उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली था जो एक बार उनके संपर्क में आता उनका गुणगान करता था।

राजा-महाराजाओं में था विशेष सम्मान

तत्कालीन वाईसराय आदि से भी उनका मेल-मिलाप था और नेपाल के राज्यकुल तथा उदयपुर के महाराजा का उन्हें विशेष आतिथ्य और स्नेह-सम्मान प्राप्त था और वे उनके राज दरबार में भी आमंत्रित होते थे। कई बार तो राजा लोग उन्हें कहते थे-लखीराम बाबू, भगवान से तो भूल हो गई जो हमको राजा बनाया, परंतु आपको नहीं बनाया। राजापन के सभी संस्कार तो आप में हैं। वास्तव में भगवान ने भूल नहीं की थी,क्योंकि वे राजे तो एक ताज वाले राजा थे जबकि भगवान ने दादा को दो ताज वाला दैवी राजा बनने का पुरुषार्थ कराया।

तीर्थयात्रा में थी विशेष रूचि

दादा को अमरनाथ, हरिद्वार, प्रयाग, वृंदावन, काशी आदि की यात्रा में विशेष रूचि थी और साधु-संन्यासियों को अपने यहां ठहराने में उन्हें बहुत खुशी होती थी। अपने लौकिक गुरु में उनकी बड़ी श्रद्धा थी और उनके स्वागत, सत्संग तथा आतिथ्य पर वे हजारों रुपया खर्च कर देते थे। एक बार की बात है उनके गुरु अपनी बहुत बड़ी शिष्य-मंडली को लेकर दादा के घर आए। दादा ने बहुत ही आदर से उनका स्वागत किया। उनमें गुरु भक्ति इतनी थी कि उन्होंने गुलाब जल की बोतलों की कई पेटियां मंगवाई। जिसे प्रातः और शाम दोनों समय छिड़का जाता था। फिर इसके पश्चात अगरबत्ती जलाई जाती थी। उन्हें गुरु के आराम का भी बहुत ध्यान रहता। कहीं जानवरों की आवाज से गुरु के आराम में खलल न पड़े, इस ख्याल से वे एक पहरेदार रखते थे। आम का मौसम न होने के कारण चार रुपए का एक आम मिलता, तो भी वह गुरु के लिए ले आते थे।

सभी के प्रति कल्याण की भावना

दादा में धर्म, जाति, देश, भाषा आदि के आधार पर भेदभाव नहीं था। उनके मन में कभी किसी के प्रति वैर या विरोध की भावना का आविर्भाव नहीं हुआ। हमेशा सभी के प्रति कल्याण की भावना रहती थी। दादा अक्सर कहते थे मैं बेगर से प्रिंस बना हूं। दादा की पारखी बुद्धि एवं असामान्य सूझ के कारण परमपिता परमात्मा शिव ने उनके तन में प्रवेश किया क्योंकि वह भी इस सृष्टि पर नर-नारी के जीवन को कौड़ी-तुल्य से बदलकर हीरे तुल्य बनाने के लिए आते हैं।

रहन-सहन और खान-पान था सात्विक

दादा का खान-पान और रहन-सहन सात्विक था। जब कभी वे मित्रों को भोज या पार्टी देते तो उसमें सिगरेट, शराब आदि की गंध भी नहीं होती थी। दादा द्वारा दिए गए भोज में सम्मिलित होने वाले राजा तथा रईस लोग कई बार सिगरेट, शराब आदि को न पाकर विनोदपूर्ण लहजें में कहते - दादा, आपकी पार्टी फीकी रही। परंतु दादा मुस्कराते हुए उत्तर देते कि आपके लिए हम अपना धर्म थोड़े ही भ्रष्ट करेंगे। आप तो हमें कागज के नोट देते हैं, परंतु हम तो उनके बदले में आपको हीरे देते हैं। ये सुनकर वे लोग हंस पड़ते।

घर से की सत्संग की शुरुआत

जब दादा सिंध में आए तो उनका जीवन बिल्कुल ही बदला हुआ था। अब दादा ने कई दिनों से बाहर घूमने जाना भी बंद कर दिया था। दादा ने सबसे पहले घर से ही सत्संग की शुरूआत की। घर के सभी सदस्य आंगन में बैठते और दादा आत्मा का ज्ञान देते। थोड़े ही दिनों में दादा के दूर के संबंधी भी आने लगे। अब दादा को गीता में और अधिक श्रद्धा हो गई थी, इसलिए वे गीता-ज्ञान सुनाया करते थे। गीता का ज्ञान सुनाते-सुनाते लोगों को साक्षात्कार होने लगे। किसी को श्रीकृष्ण का, कलियुगी सृष्टि के महाविनाश तो किसी को सतयुगी दैवी दुनिया का दिव्य साक्षात्कार होने लगा।

श्रीनारायण के थे अनन्य भक्त

दादा बाल्यकाल से ही श्री नारायण के अनन्य भक्त थे। श्री नारायण की स्मृति उन्हें इतनी प्रिय थी कि वे अपने पूजा-पाठ के कक्ष के अतिरिक्त श्री नारायण का चित्र अपने शयनागार में और अपने सिरहाने के नीचे भी रखते थे। उनकी तिजोरी और जेब में भी श्री नारायण का चित्र हमेशा रखा रहता था। बाजार में जो श्री नारायण के छपे हुए चित्र प्रायः मिलते थे, उनमें श्री नारायण को लेटे हुए और श्री लक्ष्मी को उनके चरणों की दासी के तौर पर पांव दबाते हुए चित्रित किया हुआ होता है। उन्हें ये चित्र पसंद न थे क्योंकि वे इस चित्र को ऐसे समाज का प्रतीक मानते थे जिसमें स्त्री को गौण, दासी-जैसा अथवा तिरस्कार-युक्त स्थान दिया जाता हो। इसलिए वे चित्रकार से ऐसा चित्र बनवा लेते थे जिसमें कि लक्ष्मी का दासी-भाव अंकित न हो।

दादा का भक्ति-भाव इतना परिपक्व था कि व्यापार या घर की कैसी भी परिस्थिति हो, वे एक दिन भी भक्ति और पाठ के नित्य नियम से नहीं चूकते थे। रेल-यात्रा कर रहे हो तो भी वे श्रीमद्भगवदगीता का पाठ अवश्य करते थे, क्योंकि गीता में उनकी अनन्य श्रद्धा थी। राजा-महाराजाओं तथा धनाढ्य व्यक्तियों के साथ दादा का जवाहरात का व्यापार था, फिर भी वे भक्ति में लीन रहते थे।

परमात्मा को पाने बनाए 12 गुरु

दादा लेखराज को भगवान को पाने की चाह इतनी प्रबल थी कि उन्होंने बारह गुरु बनाए हुए थे। वह अपने गुरुओं का बहुत ही सम्मान और आदर करते थे। घर पर गुरुओं के आगमन पर वह स्वयं ही उनकी सेवा करते और उनके द्वारा बताई गई हर बात को मानते। उनका मानना था कि गुरु ही भगवान से मिला सकते हैं। बिना गुरु के भगवान को नहीं पाया जा सकता है। उनकी गुरु में अन्नय श्रद्धा थी। जब दादा को परमात्मा का पहली बार साक्षात्कार हुआ तो उन्होंने समझा कि गुरु ने ही उन्हें यह साक्षात्कार कराया है, लेकिन जब उन्होंने यह बात गुरु को बताई तो गुरु समझ गए कि ये तो भगवान की ही लीला है। भगवान ने ही उन्हें साक्षात्कार कराया है।

कभी नहीं टालते थे गुरु की आज्ञा

वे गुरु की हर आज्ञा को हर हालत में शिरोधार्य मानते थे। चाहे कुछ भी घटित क्यों न हो जाएं लेकिन वो गुरु की आज्ञा नहीं टालते थे। इसका पता इस घटना से चलता है कि एक बार उनके पोते का नामकरण संस्कार होना था। सायंकाल का समय था उस समय शहर के बड़े-बड़े व्यक्ति भोज के लिए उपस्थित थे। अचानक ही गुरु का तार आया कि तुरंत आओ। दादा ने अपनी पत्नी को कहा कि तुरंत कपड़े निकालो और ड्राइवर को बुलाओ क्योंकि मुझे जाना है। तब उनकी पत्नी ने कहा कि इस अवसर पर कैसे जा सकते हैं। तब दादा ने बहुत ही गूढ़ उत्तर दिया और कहा कि गुरु का बुलावा गोया काल का बुलावा है। काल आए तो क्या हम उसे ऐसा कहकर रोक सकते हैं कि आज हमारे पोते का नामकरण है। गुरु के प्रति ऐसी निष्ठा, भक्ति और सम्मान देखकर वहां उपस्थित लोग आश्चर्यचकित रह गए।

दादा को हीरे की थी अचूक परख

सुंदर शारीरिक रचना और उच्च कोटि के संस्कार होने के अतिरिक्त दादा की बुद्धि भी असाधारण थी। वे अपनी मेधावी बुद्धि के आधार पर तीव्र रफ्तार से उन्नति की ओर आगे बढ़े। जवाहरात का धंधा बहुत ऊंचा धन्धा माना जाता है और जवाहरात को पहचानने की अचूक बुद्धि हरेक को प्राप्त नहीं होती है। दादा हीरों के ऐसे निपुण पारखी थे कि वे हीरों की पुड़िया को देखते ही उसका मूल्य एक मिनट में बता देते कि व्यापारी दंग रह जाते थे। व्यापारी स्वयं जो हीरे आदि खरीदते थे, उनका मूल्य कराने के लिए भी वह दादा के पास हीरे ले जाते थे।

बाबा से हुआ श्रीकृष्ण का साक्षात्कार

बाबा शांति से रहने के लिए हम बच्चों को सदा यही शिक्षा देते थे कि यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध हो, लेकिन शांति न हो तो हम भी आम आदमी की ही तरह हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य या उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें यह जान लेना चाहिए कि शांति क्या है...? शांति का अर्थ केवल यह नहीं है कि हम कुछ न बोले, अपितु मन का चुप रहना सुख-शांति का आधार है। कहा भी जाता है कि जहां शांति है वहां सुख है अर्थात् सुख और शांति का आपस में गहरा नाता है। एक के बिना दूसरे की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूंगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय ही निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आपको देखना होगा, अपने बारे में जानना होगा कि मैं कौन हूं, कहां से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियां हैं। जिसे हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। ब्रह्मा बाबा हमेशा कहते थे कि बच्ची आप सभी का एक-एक कर्म ऐसा हो जो सभी के लिए आदर्श बन जाए। शांतिदूत भाई-बहनें आज विश्व के 137 देशों में विश्व शांति का संदेश दे रहे है।

- राजयोगिनी दादी जानकी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू, राजस्थान

परमात्मा ने कराए दिव्य साक्षात्कार

विष्णु चतुर्भुज का दृश्य दिखाया...

दादा एकांत में बैठे हुए थे तभी उन्हें विष्णु के चतुर्भुज रूप का साक्षात्कार हुआ। उनके सामने विष्णु प्रगट हुए और कहा कि -अहम् चतुर्भुज तत्त्वम् अर्थात् मैं जो हूं वह आप ही है। इसके बाद फिर श्री कृष्ण, जगन्नाथ जी, बद्रीनाथ जी और केदारनाथ जी बारी-बारी से आए और उन सभी ने भी ऐसे ही कहा। इन साक्षात्कारों से जहां दादा को बहुत हर्ष हुआ वहीं अब दादा के मन में विचार चलने लगा कि मुझे तत्त्वम् का जो वरदान दिया गया है, उसका वास्तव में क्या भाव है। ये साक्षात्कार मुझे किसने कराए। इसके बाद अन्य साक्षात्कारों में परमात्मा ने दादा को उनके 84 जन्मों की जीवन कहानी बताकर यह स्पष्ट कर दिया कि आनेवाली सतयुगी दुनिया में आप ही श्रीकृष्ण थे और फिर बनेंगे।

दिव्य चक्षु का दिया वरदान...

एक दिन दादा मुम्बई में अपने घर में हो रहे सत्संग में बैठे थे, तभी वे सत्संग से उठकर अपने कमरे में चले गए। कमरे में जाते ही उन्हें विष्णु चतुर्भुज का दिव्य साक्षात्कार हुआ। दादा ने सोचा कि गुरु ने ही ये साक्षात्कार करवाए होंगे। इसलिए उन्होंने अपने गुरु को यह वृत्तांत सुनाया। परंतु गुरु के हाव-भाव से उन्होंने समझा कि गुरु इन बातों से बिल्कुल ही अपरिचित हैं। अतः उनका मन अब परमपिता परमात्मा की ओर मुड़ा जो ही वास्तव में सबका सद्गुरु है। दादा के मन में यह निश्चय हो गया कि दिव्य दृष्टि और दिव्य बुद्धि का दाता केवल परमात्मा ही है और उस एक ही को सच्चा गुरु मानना चाहिए। उन्हें महसूस हुआ कि परमपिता परमात्मा ने ही उन्हें दिव्य-चक्षु रूप का वरदान दिया है।

सृष्टि के महाविनाश का भी हुआ साक्षात्कार...

दादा को एक दिन साक्षात्कार हुआ कि सृष्टि में महाविनाश होने के परिणामस्वरूप करोड़ों आत्माएं परमधाम को वैसे ही लौट रही है जैसे पतंगे प्रकाश की ओर लपकते हैं। दादा ने दिव्य दृष्टि द्वारा भारत में विकराल गृहयुद्धों का और प्राकृतिक प्रकोपों का भी साक्षात्कार किया। विनाश के ये डरावने दृश्य देखकर दादा कांपने लगे। दादा ने देखा एक बहुत बड़ी बाढ़ आई है। जीव-प्राणी भयभीत होकर जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे है, परंतु वे बच नहीं पा रहे हैं। कहीं पर अग्नि अपना महाविकराल रूप धारण करके नगरों और जीव-प्राणियों को भस्मसात करती जा रही है। कहीं धमाके से मूसलाधार बारिश, तो कहीं पृथ्वी कम्पायमान होकर फट रही है। और सब जगह लोग हाहाकार कर रहे है और प्राणों की रक्षा के लिए भाग रहे हैं, परंतु लोग पारस्परिक युद्धों तथा प्राकृतिक प्रकोपों से बच नहीं पा रहे। बाबा ने सब देखा।

माउण्ट आबू से विश्वभर में शांति का संदेश देने निकले 'शांतिदूत'

ब्रह्मा बाबा ने 14 वर्ष तक गुप्त रहकर भाई-बहनों को कराई कठिन तपस्या, 300 लोगों से शुरू हुआ कारवां, आज लाखों लोगों ने जुड़कर बदली जीवन की दिशा

शिव आमंत्रण ■ माउण्ट आबू

ओम मंडली में आने वाली माताओं और कन्याओं को ब्रह्मचर्य के नियम का दृढ़ता से पालन करता देखकर लोगों में हलचल शुरू हो गई। लोग कहने लगे कि हमने ऐसा सत्संग कभी नहीं देखा। यदि माताएं ब्रह्मचर्य का पालन करने लगेगी तो इस सृष्टि की वृद्धि कैसे होगी? लोगों ने ओम मंडली का विरोध करने के लिए एक संगठन बनाया और अनेक तरह से ओम मंडली में आने वाली माताओं, बहनों, कुमारियों और भाइयों को डराना धमकाना और मारपीट करना शुरू कर दिया। उन्हें तरह-तरह से परेशान किया गया और अत्याचार किए गए। जादू-टोने, टोटके करवाए गए।

...और निरंतर आगे बढ़ती गई मंडली: इस प्रकार ओम मंडली अनेक प्रकार के विरोधों, विघ्नों और समस्याओं का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ती रही। इस सत्संग में आने वालों की संख्या भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती गई। इसकी प्रसिद्धि को देखकर कई लोगों ने ओम-मंडली के ऊपर मुकदमा दायर कर दिया और अपने परिवार के लोगों को वहां जाने से मना करने लगे। इतना सब होने पर भी बाबा सदा निश्चिंत, अडोल और साक्षी अवस्था में रहते थे। वे कहा करते थे कि हम तो परमपिता परमात्मा के सेवक हैं, वही सब ठीक कर देगा। धर्म के मार्ग पर ये परीक्षाएं तो आती ही है, परंतु हमें इस निश्चय में स्थित रहना चाहिए कि सच की बेड़ी डोलती है, डूबती नहीं है। उन्होंने परमात्मा का साथ और निश्चय होने के कारण सभी समस्याओं पर विजय पाई। जो कि सच्चाई की राह पर चलने का प्रतीक था। तब लोगों में यह धारणा बन गई कि इस मंडली में जाने वाले लोगों को जादू लग जाता है। इन पांच बंगलों में लगभग 300 भाई-बहनें कई वर्षों तक इक्ट्ठे रहकर ईश्वरीय ज्ञान लेते रहे।

तीन वर्ष पाकिस्तान में चली संस्था: अगस्त 1947 की बात है जब देश के बंटवारे की घोषणा हो गई तो बहुत से लोगों ने पाकिस्तान छोड़कर भारत आना शुरू कर दिया। परंतु देश के बंटवारे के बाद भी यह ईश्वरीय यज्ञ लगभग तीन वर्षों तक कराची में ही चलता रहा। जब इन लोगों को मालूम हुआ कि ओम-मंडली अभी पाकिस्तान में है तो उन्होंने भारत आने के लिए अनेक बार आवेदन किया तथा निमंत्रण पत्र भेजें। फिर परमात्मा के आदेशानुसार ओम मंडली का भारत में स्थानांतरण किया गया।

कराची से हजारों लोगों ने दी विदाई

सन् 1950 में ओम-मंडली के ब्रह्मा-वत्स कराची छोड़कर भारत आने के लिए रवाना हुए। जब सिंध के मुसलमान लोगों को यह पता चला कि सभी ब्रह्मा-वत्स भाई-बहनें पाकिस्तान छोड़कर जा रहे हैं तो उन्होंने न जाने के लिए बहुत आग्रह और अनुरोध किए। आप तो खुदा के है, आपका तो हिन्दू-मुसलमान की राजनीति या भेद-भाव से कोई सम्बन्ध ही नहीं है। परंतु यज्ञ-वत्सों को तो यह ईश्वरीय आदेश था कि अब भारत में ही जाना है। पाकिस्तान के हजारों लोगों ने पुष्पवर्षा एवं फूलमाला पहनाकर विदाई दी। ओखा बंदरगाह से रेलगाड़ी द्वारा आबू आए। सभी यज्ञ-वत्स आबू में बृज कोठी में आकर रहने लगे।

ओम मंडली का ब्रह्माकुमारी नामकरण

पहले संस्था का नाम ओम मंडली था। बाद में परमात्मा के आदेशानुसार ब्रह्मा बाबा ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नाम किया। अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय आबू पर्वत, राजस्थान में है। संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ का एक स्वैच्छिक सेवा संगठन है। जिसे संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक परिषद में सार्वजनिक सलाहकार और यूनिसेफ में सलाहकार का दर्जा प्राप्त है।

ओम मंडली का कराची में स्थानांतरण

इसके पश्चात् ओम मंडली कराची स्थानांतरित हो गई। वहां छावनी में शांत वातावरण में बाबा ने पांच अच्छे-अच्छे बंगले लिए। ये बंगले ओम् निवास, बेबी भवन, ब्वाइज भवन, प्रेम भवन और राधा भवन के नाम से जाने जाते थे। इस पुरुषोत्तम संगमयुग में धर्म के माता-पिता से सभी को जो निष्काम, शुद्ध और आत्मिक प्यार मिला उसका वर्णन करना असंभव है। उस सुख और स्नेह के आगे उन्हें स्वर्ग का सुख भी फीका लगता था। ऐसा सुख तो व्यक्ति को करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी मिलना मुश्किल है। इस पृथ्वी पर ईश्वर द्वारा पालना लेने का यही एक सुनहरा अवसर सारे कल्प में आत्माओं को मिलता है। जिन्होंने उसका अनुभव किया है, वे ही इसे जानते हैं। परमात्मा शिव ने प्रजापिता ब्रह्मा के तन में दिव्य प्रवेश करके माता-पिता के रूप में आत्माओं को ऐसा लाड़-प्यार दिया जिससे कभी किसी के मन में संकल्प ही नहीं उठता था।

मम्मा को सौंपी यज्ञ की बागडोर

बाबा ने ऊं राधे को इस सत्संग के लिए अवैतनिक संचालिक नियुक्त किया और आठ अन्य ज्ञाननिष्ठ माताओं और कन्याओं की अक्टूबर 1937 को एक कार्यकारिणी समिति बनाकर अपना समस्त धन और सम्पति समिति के नाम कर दिया। परमात्मा शिव ने ओम बाबा के तन में प्रवेश करके सभी को निर्देश दिया कि वे अपने पिता, पति, अभिभावक से पत्र लेकर आए जिसमें लिखा हो कि वे अपनी पुत्री, बहू अथवा पुत्र को ओम राधे के पास जाकर ज्ञानामृत सुनने तथा अपने जीवन को पवित्र बनाने के लिए खुशी से छुट्टी देते हैं। जिनके परिवार के सदस्य आते थे, उन्हें तो पत्र लाने में कोई कठिनाई नहीं हुई, लेकिन जिसके परिजन सत्संग में नहीं आते, उन्हें पत्र लाने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। लेकिन सभी ने अपनी उच्च धारणाओं, मनो परिवर्तन, सादा जीवन आदि के प्रभाव से ऐसा पत्र ले लिया।

संपादकीय

नई सोच के साथ करें नये साल का स्वागत

ब्र.कु. करुणा

न ये सेकंड, मिनट, घंटा, दिन सप्ताह, महीना बीतते-बीतते पूरा वर्ष बीत जाता है। हर दिन का हर सेकेण्ड जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि जो समय बीत जाता वह जिन्दगी में दुबारा नहीं आता है। इसके इतर जब वर्ष बीतने को करीब आने लगता है तो हम नये वर्ष का इंतजार करने लगते है। प्लानिंग करने लगते है कि वर्ष के पहले दिन सब-कुछ ठीक ठाक रहे। ऐसी मन में अवधारणा पैदा हो जाती है कि यदि वर्ष का पहला ही दिन खराब होगा तो पूरा वर्ष खराब ही होता रहेगा। इसी उधेड़बुन में हम रह जाते है। होना भी चाहिए क्योंकि वर्ष में एक बार तो अपने आपको ठीक रखने की प्रोग्रामिंग करें। यह सही है, परन्तु मनुष्य जीवन के लिए प्रतिदिन नया है। क्योंकि जब रात्रि सोकर सुबह उठता है तो वही चीज फिर रिपीट होती है कि आज का दिन अच्छा जाये। हमें कोशिश करना चाहिए कि वर्ष का एक दिन नहीं बल्कि पूरे वर्ष का हर दिन, हर सेकेण्ड इन्हीं संकल्पों के साथ व्यतीत हो। इसके लिए हमें अपने संकल्पों पर दृढ़ रहना होगा। अपने मन के संकल्पों को एक लक्ष्य देना होगा। प्रतिदिन मानिटरिंग करते हुए अपने संकल्पों की जांच करें। अपने आपको वर्क दें। प्रतिदिन सकारात्मक सोच के साथ ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग का अभ्यास करते हुए शुरूआत करें तो निश्चित तौर पर आपका हर सेकेण्ड अच्छा और प्रभावकारी होगा। यही एक उपाय है जब आपका पूरा वर्ष शानदार तरीके से व्यतीत होगा।

दादी जानकी जी के आशीर्वचन

स्वयं को पहचानने से होगी शांति की अनुभूति

मेरी कलम से

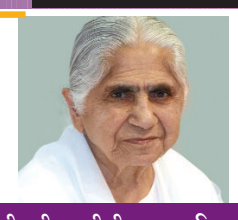

राजयोगिनी दादी जानकी जी, मुख्य प्रशासिका, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउण्ट आबू, राज.

ह मारा दिल कहता है बहुत-बहुत शान्ति में रहूँ। ये अनुभव करूँ। परन्तु यह अनुभव तब कर सकते हैं जब आवाज में रहते हुए भी आवाज से परे रहने के आदि हो जाते हैं। कार्य व्यवहार को छोड़ करके कहें हम शान्ति का अनुभव करें, तो मन शान्त नहीं होगा। क्लास छोड़कर के बगीचे में जाकर बैठें, तो मन शान्त नहीं होगा। लेकिन इसके लिए चाहिए लगन, मुझे क्या चाहिए ? जब और कुछ नहीं चाहिए, दुनिया में सुख है सम्पत्ति हैं, लेकिन बाबा के बिना सब फीके हैं, रूखें है, कोई रस नहीं है, कडुवे हैं, दु:ख देने वाले हैं। सुख अल्पकाल का है, दु:ख बहुतकाल का है। दुनिया के सुखों की इच्छा खत्म हो जाए और दु:ख जो आता है उसको महसूस न करें, वो हमारे पूर्व के हिसाब-किताब से है। अभी श्रेष्ठ कर्म ऐसे करें जिससे हमको सुख एवं खुशी का अनुभव हो।

➢ परमात्मा को याद करने के लिए आंखें बंद करने की जरूरत नहीं

– योगी की आँखें स्थिर रहने में शोभती हैं। परमात्म प्यार में खोई हुई रहें। नैनों में बाबा की याद समाई हुई हो, नयन इसके लिए हैं। नयनों द्वारा प्राप्ति भी है तो नयनों से नुकसान भी है। लोग कहते हैं आप नयन खुले रख कर याद में कैसे रहते हो! तो हम कहते हैं, आप बन्द नयन में कैसे याद करते हो। बाबा ने पहले ही भक्ति और ज्ञान का कन्ट्रास्ट समझाया है। भक्ति में समझते हैं नयन बन्द करके प्रभू का ध्यान करना है। ज्ञान कहता है, आखें खुली हों और परमात्मा बाप के ध्यान में मग्न हो।

➢ महान बनना है तो वर्तमान समय को पहचानों

– संगमयुग धर्माऊ युग है, पुण्य आत्मा, महान आत्मा बनने का युग है। समझ आ गई है-यही घड़ी है-मुझ आत्मा को धर्मात्मा, महान आत्मा, पुण्य आत्मा बनना है। हर सेकेण्ड में हमको महान बनने के लिए, ऊँची मंजिल पर पहुँचने के लिए समय को सफल करना है, बाबा ऊपर खींच रहा है। यहाँ निमित्त मात्र हैं। यह नहीं कहते कि निमित्त मात्र घर में जाना है, नहीं। निमित्त मात्र बाकी काम करना है, निमित्त मात्र सबके सम्बन्ध में आना है। बाकी घर में रहना है।

➢ हमेशा खुश रहना है तो सभी के गुण देखो

– मर्यादायें ही हम को देही-अभिमानी बनाती हैं। देही-अभिमानी स्थिति में रहने वाले को मर्यादाओ में रहना अच्छा लगता है। हमारी आँखें इतनी अच्छी तेज हों जो केवल गुण ही दिखाई दें, विशेषता जल्दी पता पड़े। हर आत्मा की विशेषता को देंखे, इसका पार्ट बहुत अच्छा है, मेरा खराब है-यह भेंट करने की जरूरत नहीं है। एक का न मिले दूसरे से। हर एक का पार्ट अपना है जब यह जानते हैं फिर हम एक-दूसरे को देख कर हर्षित क्यों नहीं रहते ! जिस का पार्ट अच्छा लगता है उसको देख हर्षित क्यों नही रहते।

➢ समय प्रमाण सब सफल कर लो

– भक्ति में भी कई बातें वन्डरफुल अर्थ सहित हैं। दान से पुण्य भी मिला। मेरे पास रखा हुआ होगा, तो या तो यूज ठीक नहीं होगा या निष्फल हो जायेगा। तो दे दान तो छूटे ग्रहण। बाबा कहता उसे अपने पास मत रखो। किसकी बुद्धि में ज्ञान न बैठे, स्थिति ऊपर नीचे हो तो तकदीर अच्छी नहीं है। इस लिए दे दान तो छूटे ग्रहण। धन का भी दान दो तो अच्छी कमाई होगी।

➢ सर्व गुण संम्पन्न बनना है तो मीठा बनो

– ज़रा भी चेहरे पर बोलचाल में आवेश न आये, अन्दर ही अन्दर हर एक के दिल को शान्त बनाने वाले, स्नेह देने वाले ही निर्मल हैं। उससे मीठापन अपने आप आयेगा। मीठा बनना माना सर्वगुण सम्पन्न। ब्राहणों में सब गुण चाहिए। समय पर हर गुण चाहिए। कोई भी गुण की कमी नम्बर में ले आयेगी। कहेंगे नम्बरवार है। नम्बरवन पुरूषार्थ की लगन वाला नम्बरवार पुरूषार्थ नहीं करेगा। नम्बरवन में आना है तो ध्यान रखो, सच्चे सेवाधारियों को सर्व गुणों की ज़रूरत है। देवताई गुण सेवा में नेचुरल हों।

➢ गम्भीरता से सत्यता को धारण करो तो व्यर्थ से बच जायेंगे

गम्भीरता से शान्तमूर्त बनकर स्वभाव को चेंज करना है। फिर व्यर्थ संकल्प नहीं आयेंगे। जिन संकल्पों की जरूरत नहीं है, उन्हें भी छुट्टी दे देते हैं जो फटाफट आ जाते हैं, बहाव में बह जाते हैं। उनको कन्ट्रोल करना है। नम्रता भाव-व्यर्थ संकल्पों को शान्त होने में मदद करता है। अभिमान व्यर्थ संकल्प ले आता है। उसकी जगह पर नम्रता और मिलनसार नेचर हो। नम्रता में सत्यता हो, सत्यता अपने आप दूसरों को दिखाई पड़ती है। सत्यता को अपने पास नम्र भाव से स्थान देना है।

➢ दूसरों को परिवर्तन करने के लिए उनके प्रति शुभ भावनाएं रखो तो सहज परिवर्तन हो जायेंगे

भक्ति में किसी का शरीर सहज नहीं छूटता है तो कहते हैं इससे दान कराओ, दान करते-करते बहुत आराम से शरीर छूटेगा। अभी हमारा अन्तिम जन्म है, बाबा कहता है-दान पुण्य करो। एक तो पवित्र बनो। दृष्टि-वृत्ति अच्छी रखो। हमारी भावना, दृष्टि-वृत्ति इससे भी कई आप समान बन जाते हैं। ज्ञान तो सब जानते हैं, आप समान बनाने के लिए संग का प्रभाव डालो, तो रंग लगता है, खुशी होती है, पुरूषार्थ में उमंग-उत्साह आता है।

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्प्रीचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

थॉमस फूलर जी कहते है सारे खतरे और धोखे समाप्त होने तक जो निकलने के लिए तैयार नहीं, वह कभी नहीं निकल पायेगा। इसी बात पर इमर्सन महोदय जोर देकर कहते है कि जिस काम को करने के लिए भय लगता है ,उसे करें तो भय का अंत निश्चित है मैं आपको 21 वीं सदी का एक गुप्त रहस्य बताना चाहता हूँ कि 'सफल होना संभव ही नहीं बल्कि आज के युग से पहले कभी इतना आसान नहीं था' दुनिया में कई तरह के लोगों की मानसिकता होती है, कई तो काम चोर होते, और कई जितना काम है उतना ही करते है,न कम न ज्यादा और जो अपेक्षा से ज्यादा कार्य करते है,उन्हें उसका फल भी अपेक्षा से ज्यादा मिलता है। असफल होने के कारणों की सूची बनाकर किसी लक्ष्य को हासिल करना असंभव है ऐसा करने से हमारी पूरी मन की शक्ति असफलता के चित्र बनाने में केन्द्रित हो जाती है और अंतत: उन्हें असफलता ही हाथ आती है, इसलिए आप अपने जीवन के उन क्षणों को याद कीजिए, जब आप सफल हुए थे। केवल सफलता के बारे में सोचें,और सफल होने के कारणों की सूची बनाए। ऐसा करने से आप उन सफल तरंगों को ब्रम्हांड तक पहुँचा रहे है। और ब्रम्हांड आपकों वही देगा जो आप चाहते है।

इसलिए आज इस पुस्तक के माध्यम से मै उन महान युवाओं का आह्वान कर रहा हूँ जो इस पुस्तक को पढ़ रहे है। जिनमें हनुमान जी जैसी अद्भुत शक्ति है और वे हनुमान जैसा उड़ना तो जानते थे पर जैसे हनुमान जी अपनी शक्तियों को भूल गए और उन्हे जैसे ही जामवंत जी द्वारा अपनी शक्तियों की याद दिलाई गई कि -हे हनुमान तुम उड़ सकते हो, तुमने तो बड़े बड़े राक्षसों को मारा है, तुम में तो अद्भुत शक्ति है। ऐसे ही यह पुस्तक भी जामवंत जैसा ही करिश्माई अद्भुत कार्य करने जा रही है है युवाओं (मन से युवा) में आपकों बताना चाहूंगा आप भी जो है कर सकते है। क्योंकि (दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है, क्योंकि असंभव शब्द भी कहता है मैं संभव हूँ)

मेरे प्यारे उर्जावान दोस्तों बंदरगाह में जहाज सुरक्षित रहते है, लेकिन वहाँ रखने के लिए जहाज नही बनाए जाते। कुछ न करने में ही असली खतरा है। थॉमस फूलर जी कहते है सारे खतरे और धोखे समाप्त होने तक जो निकलने के लिए तैयार नहीं, वह कभी नहीं निकल पायेगा। इसी बात पर इमर्सन महोदय जोर देकर कहते है कि जिस काम को करने के लिए भय लगता है ,उसे करें तो भय का अंत निश्चित है।

खुशखबरी

सर्व मनुष्यात्माओं को एक समय पर एक संकल्प के साथ सकाश द्वारा सेवा करने का एक बेहद का ग्रुप बना है। जो इस विशाल सेवा में संलग्न है। वास्तव में आज मनुष्यात्माओं के सामने इतनी सारी समस्यायें है कि उसमें सवाईव करना कठिन हो गया है। इसके लिए बाबा हमेशा मुरलियों में कहते रहे हैं कि मंसा सेवा सबसे बड़ी सेवा है। इससे बहुतों को आप अपने मन की शक्ति से उन्हें पुरूषार्थ, बुरी आदतों को समाप्त करने तथा बीमारी में भी उनकी मदद कर सकते हैं।

ऐसे में इसके लिए बापदादा ने पावर आफ सकाश मोबाईल एप का उदघाटन किया। यह एप आप अपने मोबाईल के प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड कर सकते हैं।

गॉडलीवुड स्टूडियो से

ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर जल्द ही आएगी भागीरथ थ्रीडी फिल्म

प्रजापिता ब्रह्मा-बाबा दुनिया के वे सबसे महान शख्सियत है। जिन्होंने एक सुन्दर विश्व का सपना देखा था। जिसे पूरा किया था। सृष्टि रचना के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा को इस आधार परमात्मा शिव ने बताया और नयी दुनिया की आधारशिला रखी। उनके व्यक्तित्व और साधना ने पूरे विश्व में एक ऐसी क्रांति को जन्म दिया जिसमें लाखों लोग आज उस मुहिम के हिस्सेदार है। बाबा अब हमारे बीच नहीं रहे परन्तु उनकी सूक्ष्म प्रेरणाओं से प्रेरित होकर गॉडलीवुड स्टूडियो की ओर से संस्था में पहली बार प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर थ्रीडी फिल्म बन रही है। जिसे जल्दी ही आने की सम्भावना है। इसके लिए बड़ी संख्या में लोग दिन रात जुटे हुए है। जल्दी यह फिल्म लोगों के बीच आयेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस फिल्म से निश्चित तौर परमात्मा शिव का संदेश सर्व आत्माओं तक पहुंचेगा। तो इंतजार कीजिए जल्दी ही हम सभी के बीच नई दुनिया आने वाली है।

– **बीके हरीलाल,** कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो, मनमोहिनीवन, शांतिवन

जीवन प्रबंधन

शिवानी बहन

अपनी खूबी को हमेशा संभाल कर चलें

सुरेश ओबरॉय: कोई आपसे हैलो नहीं कहना चाहता, वह आपके पास से निकल जाता है। आपको लगता है कि ठीक है, जब उसने हॅलो नही कहा , तो में क्यूँ कहूँ ?

बीके शिवानी: मान लेते हैं शिष्टाचार आपका गुण है., आप स्वभाविक तौर पर सबसे बहुत ही मैत्रीपूर्ण भाव से मिलते हैं यह आपका स्वभाव है। तो आप एक बरामदे से निकल रहे हैं और बहुत स्नेह से गुडमॉर्निंग कहने ही वाले थे। पर में वहां से अनदेखा कर निकल जाती हूं। इस क्षण में मैं आपके प्रति उदाशीनता दिखा रही हूँ, जिसकी कोई जिसकी कोई भी वजह हो सकजी है – यह मेरा स्वभाव हो सकता है या फिर किसी घटना के कारण मेरी मानसिक अवस्था भी हो सकती है। हो सकता है कि हमारे अन्दर शिष्टाचार ही ना हो और मेरी बजह से आप अपनी खूबी भी छोड़ देते हैं। इसके बाद, आप किसी ऐसे व्यक्ति से भेट करते हैं, जो बहुत अलग तरीके से पेश आता है और फिर आप अपनी एक और खूबी छोड़ देते हैं आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलते हैं जो आप पर चिल्लाता है, आप भी अपनी मधुरता का त्याग कर देते हैं हम अपनी खूबीयों का त्याग करते हुए, उनकी नकारात्मकता को अपने भीतर सोखते चले जाते हैं

सुरेश ओबरॉय: कोई व्यक्ति अपनी खूबीयों को कैसे बनाये रख सकता है?

बीके शिवानी: बस, हमें यह याद रखना होगा कि हमारा अपना व्यक्तित्व है और पूरे दिन के दौरान, लोगों से भेंट करते हुए, उनका व्यवहार हमारे व्यक्तित्व के अनुसार हो। तो यदि हम अपनी एक खूबी को इस तरह संभाल सकें, जैसे कि शिष्ट आचरण करना, तो ऐसा कर पाना बहुत आसान होता होगा।

सुरेश ओबरॉय: तो ठीक है, आज से मेरा सही मंत्र होगा। कैसे, क्यों, कहां और कब, हालात जो भी हों मैं शिष्टता का दामन नही छोडूंगा।

बीके शिवानी: बस हमें खुद से इतना ही तो कहना हैं। मेरा स्वभाव मेरा है, भले ही उसके आगे कितने किन्तु परन्तु और कब,क्यों, कैसे, क्यों ना जाएं।

सुरेश ओबरॉय: जिस दिन हमें किसी रेस्त्रां या किसी दावत में जाना हो, उस दिन भी हम एक उपवास रख सकते हैं। क्या उसी तरह विकारों से व्रत रख सकते हैं?

बीके शिवानी: बिल्कुल ठीक कहा आपने, आज हम एक खूबी को ही लेते हैं। मान लेते हैं कि शिष्टाचार आपका गुण है। नम्रता आपका गुण है। सबसे मिठास से बात करना आपका स्वभाव है। यह आपका गुण है इसे किसी के प्रभाव में आकर नष्ट ना होने दें।

अनाथाश्रम में बच्चों को सिखाया नैतिकता का पाठ

शिव आमंत्रण ■ घाटकोपर

मुम्बई के घाटकोपर में बच्चों के लिये मूल्य शिक्षण पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुम्बई के बालकल्याण नगरी और माझे माहेर अनाथ आश्रम के 200 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर घाटकोपर सबजोन प्रभारी बीके नलिनी, बीके शक्कू, माझे माहेर आश्रम ट्रस्टी डॉ. प्रमिला जरग, बाल कल्याण नगरी आश्रम के अभिषेक मिर्गल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सब जोन प्रभारी बीके नलिनी ने कहा कि बच्चों को एकाग्रता बढ़ाने के लिए राजयोग का अभ्यास करना चाहिए। जीवन में तरक्की के लिए आध्यात्मिकता जरूरी है।

चंडीगढ़ के धनास में खुला अनोखा मॉल...

हेल्थ-वेल्थ और हैप्पीनेस का केंद्र बना मॉल

शिव आमंत्रण ■ चंडीगढ़

चंडीगढ़ के धनास में शहरवासियों के लिए एक ऐसा मॉल खुला जिसमें पहली बार शहरवासियों को हेल्थ, वेल्थ एण्ड हैप्पीनस ले जाने का ऑफर मिला। शरीर के सर्वांगीण विकास के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाये गये। इस स्टॉल में मनुष्य को खुश और स्वस्थ रहने के लिए वे सभी चीजे उपलब्ध करायी गयी थी जो हमारे सम्पूर्ण विकास के लिए जरुरी है। यह अनोखा माल लोगों के लिए खुशी और कौतूहल का विषय रहा।

ब्रह्माकुमारीज़ धनास द्वारा आयोजित मेले के तीसरे दिन हेल्थ-वेल्थ और हैप्पीनेस मॉल के स्टाल में बताया गया कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाईजेशन के मुताबिक केवल बीमारियों से मुक्त जीवन ही स्वास्थ्य नहीं लेकिन शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही संपूर्ण स्वस्थ है। हेल्थ वेल्थ हैप्पीनेस मॉल के शारीरिक स्वास्थ्य स्टॉल में जीवनोपयोगी बातें बताई गई। आज ठंडे पानी और कोल्ड ड्रिंक्स का प्रचलन बढ़ता जा रहा है जो हमारे शरीर के लिए काफी नुकसान दायक है इसलिए उनको छोड़कर ताजे व गुनगुने पानी का सेवन को बढ़ाना चाहिए और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए चिंता को छोड़कर प्रभु चिंतन को अपनाना होगा और सामाजिक स्वास्थ्य को हासिल करने के लिए ईष्या और तुलना करने जैसी भावना को छोड़ना होगा और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को हासिल करने के लिए मेडिटेशन सबसे उपयुक्त है।

मॉल का उद्घाटन करते चंडीगढ़ जोन के निदेशक बीके अमीरचंद व अन्य अतिथि।

मेडिटेशन से महसूस की गहन शांति

आज व्यक्ति यह मानता है कि पैसा रुपया प्रॉपर्टी ही उस का खजाना है लेकिन आज रिश्ते कमजोर होते जा रहे हैं क्योंकि व्यक्ति धन दौलत की अहमियत को अपने जीवन में रिश्तो से भी कहीं ज्यादा आज समझ रहा है लेकिन मनुष्य के अंदर का ज्ञान और उसकी छुपी हुई विशेषता ही उसकी असली धन दौलत है। मेले में मैडिटेशन रूम भी बनाया गया जिसमे मेले में आये लोगों को 5 मिनट मैडिटेशन कराया गया जिसमे उन्होंने गहन शांति का अनुभव किया और कहा कि ऐसी शांति उन्होंने पहले कभी महसूस नहीं की।

क्विक न्यूज़

यातायात नियमों की दी जानकारी

शिव आमंत्रण, रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम शास्त्रीनगर सेवाकेन्द्र द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हीरो ऑटोमोबाइल्स के ऑनर मुस्तफा पकावला, लायंस क्लब अध्यक्ष संजय गुनावत, जिला ट्रांसपोर्ट सचिव कमलेश मोदी, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सविता, बीके गीता उपस्थित रही। वहीं जबलपुर के कटंगा कॉलोनी में भी आयोजित कार्यक्रम में दुर्घटना पीड़ितों के लिये योगाभ्यास से शांति के वायब्रेशन्स दिये। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विमला सहित संस्थान से जुड़े सैकड़ों सदस्यों ने शुभ कामनाओं के लिये योगदान दिया।

स्कूली बच्चों को बैग वितरित

शिव आमंत्रण, जयपुर। जयपुर के बस्सी के रोजवाड़ी गांव में कई स्कूलों के बच्चों को बैग वितरित किये गये। सीपीएमयूडीए इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर पीस एंड डेवलपमेंट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज को आमंत्रित किया गया। जिसमें बीके ललिता, हरियाणा से डॉ. प्रेम प्रकाश ग्रोवर, राजकोट से स्वामी विश्वानंद, जयपुर से नारायण वर्मा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेशचंद समासिया उपस्थित रहे।

पीस ऑफ माइंड की सेवाएं बेहतरीन

शिव आमंत्रण, मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी सेवाकेन्द्र द्वारा एक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय दलित साहित्य अकादमी के बिहार प्रदेशाध्यक्ष जागाराम शास्त्री ने भी इस अवसर पर आध्यात्मिक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान जागाराम शास्त्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का पीस ऑफ माइंड चैनल ही एक ऐसा चैनल है जो 24 घंटे सकारात्मक प्रवाह बनाये रखता है। ये ऐसा चैनल है जो पूरे परिवार को जोड़ने का काम करता है तथा मनुष्य को आध्यात्मोन्मुखी बनाता है।

'आध्यात्मिक शक्ति संपन्न ही समाज की रक्षा कर करेगा'

छोटा उदयपुर में लोक कल्याण मेले का आयोजन

लोक कल्याण मेले में अपना वक्तव्य देते हुए जयंति राठवा।

शिव आमंत्रण, छोटा उदयपुर। जिसके पास आधात्मिक शक्ति होती है वही धर्म व समाज की रक्षा कर सकता है। साथ ही आदिजाति विकास एवं वनमंत्री शब्दशरण तड़वी ने मेले के प्रति अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा कि यह मेला यहाँ के लोगों के लिये बहुत ही सार्थक होगा। उक्त उद्गार संसदीय सचिव जयंति राठवा ने गुजरात के छोटा उदयपुर में व्यक्त किए। वह लोक कल्याण आध्यात्मिक मेले के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे बोल रहे थे।

इस अवसर पर संसदीय सचिव जयंति राठवा, छोटा उदयपुर के सांसद रामसिंह राठवा, गुजरात ज़ोन की निदेशिका बीके सरला, वडोदरा सबज़ोन प्रभारी बीके राज, माउण्ट आबू से बीके प्रकाश, बीके ओंकार, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके नेहा ने दीप जलाकर किया।

उद्घाटन के पश्चात् दूरदर्शन आर्टिस्ट डॉ. रीता ने स्वागत नृत्य कर सबका मन मोह लिया। संस्थान के सदस्यों ने बताया कि भगवान ने हमको श्रेष्ठ कर्म करने की जो कला सिखाई है सबको सीखाना है।

राजयोग आंतरिक बदलाव में सक्षम है

राजयोग शिविर

शिव आमंत्रण, उन्नाव। उत्तरप्रदेश के उन्नाव राजयोग सेवाकेन्द्र की तरफ से राजयोग द्वारा तनाव मुक्ति विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ पर जिलाधिकारी सुरेन्द्र सिंह, माउंट आबू से पधारी मुख्य वक्ता बीके शारदा, सेवानिवृत्त कृषि निदेशक विनय प्रकाश श्रीवास्तव, प्रमुख समाज सेविका गौसिया खान, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कुमार शुक्ल, नगरपालिका अध्यक्ष रामचन्द्र गुप्ता, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष रजनीकांत श्रीवास्तव, बजरंग दल के पदाधिकारी बाबूलाल यादव, भाजपा पदाधिकारी किशन पाठन सहित बीके कुसुम व संस्था के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने राजयोग के बारे में जानकारी दी।

शिविर के समापन पर किया सम्मान।

उत्तराखंड स्थापना समारोह में बताए राजयोग के लाभ

शिव आमंत्रण, दिल्ली। दिल्ली के रमा विहार में उत्तराखंड के प्रतिनिधियों द्वारा आयोजित उत्तराखंड स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सज्जन कुमार, काउंसलर जसबीर कराला, राजीव नगर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके पूर्णिमा मुख्य रूप से उपस्थित रही।

तनाव मुक्ति शिविर डॉ. बीके डोनिका ने सिखाई जीवन जीने की कला, वर्कशॉप भी कराई

एसआरपीएफ जवानों को बताये तनावमुक्ति के गुर

शिव आमंत्रण ■ भचाऊ

गुजरात के भचाऊ में एसआरपीएफ जवानों के लिए चार दिवसीय तनावमुक्ति प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. बीके डोनिका ने तनाव मुक्त जीवन विषय पर सम्बोधित करते हुए कहा कि जब हम किसी भी समस्या के कारण को बार-बार सोचते हैं तो यही छोटी सी गलती तनाव का रूप ले लेती है। इसी तनाव की वजह से आज सुरक्षा-व्यवस्था भी चरमरा गई है।

लोक कल्याण मेले में अपना वक्तव्य देते हुए जयंति राठवा।

उन्होंने कहा कि तनाव का दूसरा कारण है हमारे देखने का नजरिया। कई बार छोटी सी बात को भी बहुत ज्यादा सोच-विचार कर उसे बढ़ाते रहते है। जब हमारे कन्ट्रोल से परिस्थिति बाहर हो जाती है तो तनाव में चले जाते है। इससे बचने के लिए हम हर समस्या के निवारण पर अपना ध्यान केन्द्रित करेंगे तो हम हल्के भी रहेंगे और सामाजिक सम्बन्ध भी अच्छे होंगे। साथ ही हमारा समय भी बचेगा।

वहीं यूरो सैरामिक्स कम्पनी में स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर वर्कशॉप कराई गई। कार्यक्रम के अन्त में बीके शारदा ने सभी उपस्थित जनों को आशीर्वचन में कहा कि अगर हम राजयोग सीख लें तो हमारा जीवन सँवर जायेंगा। इस मौके पर यूरो फाउंडेशन की ट्रस्टी भारती, डॉ. बीके डोनिका, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके शारदा, दीव सेवाकेन्द्र संचालिका बीके गीता उपस्थित थीं। सभी लोगों को राजयोग कराया।

धर्मशिरोमणियों ने स्वीकारा सर्वोच्च सत्ता की शक्ति, एकता के मंच से सदभावना का आह्वान

आध्यात्मिकता से ही सर्व का कल्याण संभव : दादी जानकी

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर में ब्रह्माकुमारीज़ तथा इसकी सहयोगी संस्थान आर.ई.आर. एफ. के धार्मिक प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में सर्वधर्म सम्मेलन एवं राजयोग शिविर का आयोजन किया गया। परमात्म शक्ति द्वारा सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के प्रमुख, अनुयायी तथा प्रचारक शामिल हुए। इस कार्यक्रम में सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार रखे।

देशभर से आये संतों, महात्माओं और सर्व धर्म प्रतिनिधियों को सम्बोधितक करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हम अगर एक आत्मा शब्द को समझ लें तो अनेक तरह के मतभेद खत्म हो जायेगें। हम सभी आत्मायें मूल रूप से एक परमात्मा की ही सन्तानें है लेकिन आत्मिक ज्ञान ना होने के कारण विभिन्न धर्मों में बँट गये है। अत: फिर से अब राजयोग के ज्ञान से अपने मूलरूप का अनुभव कर फिर से एक हो जायें ऐसी मेरी मनोकामना है। आध्यात्मिकता मनुष्य को आचरण सिखाती है।

सम्मेलन का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन करते हुए संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी व अन्य अतिथिगण।

... परिणाम बुरे होंगे

ज्ञानामृत पत्रिका के संपादक बीके आत्मप्रकाश ने कहा कि जितना-जितना मानसिक उपद्रव बढ़ रहा है प्रकृति भी ठीक उसी तरह से अपना रौद्ररूप धारण करती जा रही है। अगर समय रहते हमने इस पर ध्यान नहीं दिया तो परिणाम बहुत बुरे होगें। आध्यात्मिकता को अपनाने की जरूरत है।

यहां के वातावरण से मिली प्रेरणा

अहमदाबाद के श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर वैराग्यानंद गिरी जी महाराज ने कहा कि हम स्वर्ग की कामना करते है, स्वर्ग कहीं दूसरी जगह नहीं है लेकिन हम यहाँ ब्रह्माकुमारीज संस्था के सुन्दर, स्वच्छ तथा शक्तिशाली वातावरण में बैठे है। इसी वातावरण के प्रभाव से हमें अपना जीवन उच्च बनाने की प्रेरणा मिल रही है। जहाँ जीवन को सँवारने की इच्छा उत्पन्न होती है वहीं स्वर्ग है। यही वातवरण एक दिन पूरी दूनिया को बदलने का कार्य करेगा। संस्था के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा कि सर्वधर्म एकता में ही सुन्दर भविष्य नजर आता है। वर्तमान समय इसकी अत्यधिक आवश्यकता है कि हम एक हो जाये। इस धार्मिक एकता में ही वैश्विक सुरक्षा समाई हुई है। इस दौरान बीके मनोरमा तथा बीके रामनाथ ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पुरा विश्व आज शान्ति चाहता है।

प्रजापिता ब्रह्मा ने रखी नींव

संस्थान द्वारा दिया जाने वाला ज्ञान वास्तव में बहुत उच्च कोटि का है जो इस जर्जर दूनिया के बदलाव की ताकत रखता है। दुनिया के नवीनीकरण की नींव परमात्मा ने बहुत पहले ब्रह्मा के द्वारा रख दी थी जिसके फलस्वरूप आज हर वर्ग, जाति तथा धर्म के लोग इस ज्ञान को अपने जीवन में उतारने में लगे हुए है क्योंकि भगवान ने हरेक को हक दिया है स्वर्ग में आने का। हमें इस ज्ञान को आत्मसात् करना चाहिये।

-महतं श्री साध्वी प्रज्ञा भारती , महामंत्री, अखिल भारतीय साध्वी शक्ति परिषद, दिल्ली।

साधारण मनुष्य का कार्य नहीं

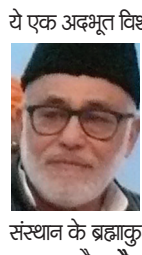

ये एक अद्भूत विश्वविद्यालय है जहाँ देवता बनने की पढ़ाई होती है। आज दुनिया में कोई मनुष्य को सच्चे अर्थों में मनुष्य बनाने में सक्षम नहीं है लेकिन यहाँ मनुष्य से भी ऊँच देवता बनने की बात परमात्मा स्वंय समझा रहे है। यह काम कोई साधारण मनुष्य नहीं कर सकता और यह केवल कहने मात्र की बात नहीं है। संस्थान के ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियाँ इस पढ़ाई के प्रत्यक्ष उदाहरण है। **-मौलाना सैय्यद जहीर अब्बास,** जनरल सेक्रेटरी, शिया काउन्सिल ऑफ पीस फाउण्डेशन, ऋषिकेश।

दादी का भावपूर्ण सम्मान

स्नेह मिलन कार्यक्रम में सभी संतों एवं महात्माओं ने दादी का सम्मान किया। क्रमवार सभी ने एक एक कर दादी से दृष्टि एवं आशिर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दादी ने सभी को ईश्वरीय सौगात भेंट की।

स्वर्ग यहीं है

हम स्वर्ग की कामना करते है, स्वर्ग कहीं दूसरी जगह नहीं है लेकिन हम यहाँ ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के सुन्दर, स्वच्छ तथा शक्ति शाली वातावरण में बैठे है। इसी वातावरण के प्रभाव से हमें अपना जीवन श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा मिल रही है। जहाँ जीवन को सँवारने की इच्छा उत्पन्न होती है वहीं स्वर्ग है। पूरी दुनिया को बदलेगा-**श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर वैराग्यानंद गिरी जी,** अहमदाबाद

संस्था का कार्य सराहनीय

आज जहाँ धार्मिक विभिन्नता के कारण आतंकवाद अपनी जड़े जमा रहा है, ऐसे समय में संस्थान ने जो सर्वधर्मों को एक मंच पर इकट्ठा करने का पुनीत संकल्प किया है वह बेहद सराहनीय है। इसके बहुत ही सार्थक परिणाम निकलेगें और पूरा विश्व एक होगा ऐसी मेरी कामना है।

- स्वामी विट्ठल, संचालक, ओशो आनंद अभियान, घाटकोपर, मुम्बई।

परमात्मा स्वयं अपना कार्य करा रहे

यहाँ का हरेक फूल-पत्ता एक आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण नजर आता है। संस्थान की हर व्यवस्था अपने आप में सम्पूर्ण है। यहाँ किसी भी चीज में कोई कमी देखने को नहीं मिलती है। जड़-चेतन दोनों अपने पीछे उस परम सत्ता की प्रत्यक्षता की अनुभूति करवा रहे है। इसमें कोई आशंका नहीं है कि यहाँ परमात्मा स्वंयम् अपना कार्य करवा रहे है।

- स्वामी योगी अमरनाथ, संस्थापक, इन सर्च ऑफ पीस फाउण्डेशन, ग षिकेश।

नहीं रोक पाए पैरों के थिरकन

डायमंड हॉल के विशाल सभागार में जैसे ही 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी का आगमन हुआ कई संत अपने आप को रोक नहीं पाये और दादी के सम्मान में जमकर ठुमके लगाये। हॉल में मौजूद लोगों की तालियों से पूरा हॉल गूंज उठा।

समाज रत्न पुरस्कार से बीके सुरेखा सम्मानित

शिव आमंत्रण, पिंपरी। चिंचवड महानगरपालिका के स्थापना दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पिंपरी-पुणे सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सुरेखा को समाज रत्न पुरस्कार से विभूषित किया। यह सम्मान उन्हें क्षेत्र में सामाजिक सेवाओं के लिये प्रदान किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पिछले 24 वर्षों से अपना नि:स्वार्थ योगदान दिया है।

विचार- मंथन | **विश्व जलवायु परिवर्तन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन**

आन्तरिक और बाह्य प्रकृति से जुड़ने से ही होगी ग्लोबल वैलनेस

शिव आमंत्रण ■ नई दिल्ली

बलविन्द्र कुमार

ग्लोबल वैलनेस के लिये हमें बाह्य प्रकृति के साथ-साथ अपनी अन्तरात्मा से जुड़ना होगा। आन्तरिक प्रकृति और मन को शान्त एवं नियन्त्रित करने के लिये मेडीटेशन को अपनाना होगा।

यह विचार भारत सरकार खनन मंत्रालय के सचिव बलविन्द्र कुमार ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के साईन्टिस्ट एवं इंजीनियर प्रभाग द्वारा स्थानीय सत्य साईं सेन्टर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन क्लाईमेट चेंज का उद्घाटन करते हुए कहा। यह सम्मेलन केन्द्रीय आयुष मंत्रालय, भू-विज्ञान मंत्रालय, केन्द्रीय विज्ञान और तकनीकी विभाग, केन्द्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, डीआरडीओ आदि सरकारी संस्थाओं की सहभागिता से आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण हमारा भौतिकवादी तथा उपभोक्तावादी जीवन शैली है, जिससे हम विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे है। हम जितना भौतिकवादी हुए है प्राकृतिक उपद्रव भी उतने ही बढ़े है। अत: अब हमें फिर से आध्यात्मिकता को अपनाना होगा। संस्थान के प्रमुख प्रवक्ता बीके बृजमोहन ने कहा कि कोई भी बाहरी परिवर्तन तुरन्त नहीं हो जाता उसके पीछे मानव की मनोदशा भी होती है। ऐसा आज विज्ञान मानता है। सारा समाज आज जिस दिशा में जा रहा है, पश्चिमी देशों की देखादेखी जिस तरह से भारतीय अपना रहे है, उससे संस्कृति और संस्कार दोनों ही खराब हो रहे है। इसी बिगड़ती मनोवृत्ति के कारण पूरा वातावरण ही खराब हो रहा है।

सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथिगण।

आध्यात्मिकता को सभी तक पहुंचाना जरूरी : संस्थान के साईंटिस्ट एवं इंजीनियर प्रभाग के राष्ट्रीय संचालक मोहन सिंघल ने कहा कि वर्तमान में हम क्लाईमेट चेंज की चरम सीमा पर है जिसमें प्रतिवर्ष तेजी से और भी बदलाव आता जा रहा है। अब हमें इसके लिये व्यक्तिगत स्तर पर भी काम करना होगा तथा आध्यात्मिकता को जनमानष तक पहुँचाना अति आवश्यक है।

तीन सत्रो मे चर्चा

विशिष्ट अतिथि इंजीनियर्स इण्डिया लि. के निदेशक वी.सी. भण्डारी, दिल्ली जोन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी रूक्मिणी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। उद्घाटन सत्र के अलावा तीन खुले सत्रों में विभिन्न संस्थाओं के इंजीनियर्स एवं विज्ञानिकों ने विषय के अनुरूप अपने विचार रखे तथा क्लाईमेट चेंज को जानने के लिये विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

जेएमजे ने भेंट किया भवन

शिव आमंत्रण ■ उदयपुर

महाराणा प्रताप अन्तर्राष्ट्रीय एअरपोर्ट के समीप नवनिर्मित पीस पैलेस शिव आँगन भवन का उद्घाटन समारोह मनाया गया। यह भवन जेएमजे ने संस्थान को भेंट किया है। उद्घाटन ओरआरसी की निदेशिका बीके आशा ने किया। इस मौके पर संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने जेएमजे परिवार के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि समाज परिवर्तन के इस परमात्म कार्य में खुद को शामिल करना परम सौभाग्य की बात है। जेएमजे समूह के प्रबन्ध निदेशक जेएम जोशी ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है जो समाज के हर वर्ग की निरपेक्ष भाव से सेवा करने वाली विश्वव्यापी संस्थान ने हमारी ये भेंट स्वीकार की है। इस मौके पर संस्थान के सूचना निदेशक बीके करूणा, सुनिता जोशी, सत्य प्रकाश जोशी, विशाल शर्मा तथा उदयपुर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके रीटा, बीके विजया, बीके उर्मिल, बीके विरेन्द्र गुप्ता, दिल्ली के डॉ. एमडी गुप्ता सहित संस्थान के काफी सदस्य मौजूद थे।

रायपुर में विश्व परिवर्तन राष्ट्रीय योजना का उद्घाटन

हम सुधर जाएं तो विश्व सुधर जाएगा : राज्यपाल मुर्मु

शिव आमंत्रण ■ शांति सरोवर, रायपुर, छत्तीसगढ़

स्व परिवर्तन से ही होगा विश्व परिवर्तन, हम सुधर जाए तो विश्व सुधर जाएगा। इसलिए हमको सजग होकर अ%छे कर्म करने चाहिए। उक्त विचार झारखण्ड की रा%यपाल द्रौपदी मुर्मु ने रायपुर में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांति सरोवर में व्यक्त किए।

शांति सरोवर में आयोजित ईश्वरीय ज्ञान द्वारा विश्व परिवर्तन विषय पर आधारित राष्ट्रीय योजना का उद्घाटन झारखण्ड की रा%यपाल द्रौपदी मुर्मु, रायपुर में एम्स के निदेशक डॉ. नितिन एम.नागरकर, रायपुर की क्षेत्रिय निदेशिका राजयोगिनी बीके कमला, छत्तीसगढ़ के टिकरापारा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू ने दीप जलाकर किया। बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय योजना का उद्घाटन करते झारखंड की राज्यपाल द्रोपदी मुर्मू, ब्रह्माकुमारी मंजू , क्षेत्रिय निदेशिका बीके कमला, एम्स निदेशक डॉ. नितिन नागरकर और बीके नथमल।

... तो नजर आएगा प्यार

डॉ. नितिन एम.नागरकर ने कहा हम अगर अपने अंदर झाकेंगे तो प्यार अवश्य नजर आयेगा, भाईचारा अवश्य नजर आयेगा और इसी के द्वारा विश्व में शांति की स्थापना होगी। वहीं संस्था के वरीष्ठ सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अंत में रा%यपाल द्रौपदी मुर्मु ने वृक्षारोपण भी किया।

ब्रह्माकुमारीज़ की कलाकृति वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल

शिव आमंत्रण, अहमदनगर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के महाराष्ट्र स्थित अहमदनगर सेवाकेन्द्र द्वारा त्रिपुरारी पुर्णिमा के अवसर पर 5555 दीपक प्रज्वलित कर उन्हें परमात्मा शिव के रूपचित्र अनुसार रखा गया। जिसे लंडन के वंडर बुक ऑफ रिकॉर्डस् में शामिल किया गया।

इस रिकार्ड का सर्टिफिकेट पतंजली आयुर्वेद के केन्द्रीय संचालक डॉ. जयदीप आर्य ने रोटरी क्लब ऑफ अहमदनगर सेंट्रल, सकाळ सोशल फांउडेशन, प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान तथा पीएन ज्वेलर्स के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में बीके राजेश्वरी तथा बीके दीपक को प्रदान किया।

डॉ. जयदीप आर्य से सर्टिफिकेट प्राप्त करते ब्रह्माकुमारीज के सदस्य।

सद्भावना में समाया है उज्जवल भविष्य

शिव आमंत्रण, मुंबई। यूनाईटेड नेशन इंटरनेशनल टॉलरेंस डे के उपलक्ष्य में मुम्बई के सांताक्रुज वेस्ट के स्वामी मुक्तानंद पीस पार्क में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़, यूएन एलियासं ऑफ सिविलाइजेशन एवं साहनी ग्रुप द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीआई के पूर्व निदेशक डॉ. डीआर कार्तिकेयन, डॉ. हुजाइफा खोराकीवाला, मीडिया पर्सनालिटी उमर कुरैशी, सांताक्रुज सबजोन की निदेशिका बीके मीरा, टीवी एक्टर स्मिता जयकर, इस्लामिक स्कोलर डॉ. जीनत शौकत अली, आध्यात्मिक लेखक शकुन नैरन कीमतराय सहित शहर के कई पदाधिकरियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

धार्मिक मान्यताओं पर चर्चा

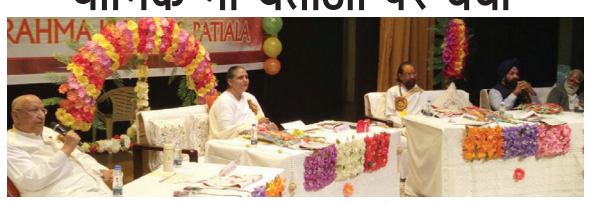

शिव आमंत्रण, पटियाला। परमात्मा के विषय में अनेक मत और मान्यताएं है, सभी धर्मों में उनके अलग-अलग गुणों तथा कर्तव्यों की महिमा है। इसी भिन्नता के कारण आज मानव उलझा हुआ है। इसी अस्पष्टीकरण की उन्मूलन के उद्देश्य से पंजाब के पटियाला शहर में सबका मालिक एक विषय पर धार्मिक शिखर का आयोजन किया गया। हरपाल टिवाणा कला केन्द्र में आयोजित इस सम्मेलन में परमात्मा की सत्य पहचान के लिए पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। जिसमें सांसद सरदार सुखदेव सिंह डिंडासा, हिंदू धर्म से स्वामी हरीदेव शास्त्री, सिक्ख धर्म से सरदार भागसिंह पन्नू, क्रिश्चयन धर्म से फादर जोसफ, मुस्लिम धर्म से मौलाना नुरूल हसन मोहसीन उस्मान, संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके ऊषा, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके शांता सहित संस्था के कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

वरिष्ठों के अनुभव से सीखें जीवन कौशल

शिव आमंत्रण, फतेहगढ़। वरिष्ठजनों के पास जिन्दगी के अनेक अनुभव संचित है। हमें उनका लाभ लेना चाहिये। ये अनुभव हमें आपसी व्यवहार तथा जीवन की परिस्थितियों में तालमेल बनाने में उपयोगी सिद्ध हो सकते है। उक्त विचार व्यक्त किये संस्था के मुख्यालय से पधारे बीके भगवान ने। वे सकारात्मक चिंतन एवं तनाव मुक्ति विषय पर उप्र के फतेहगढ़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित वरिष्ठजन सम्मान समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। नपा के पूर्व चेयरमेन मिथलेश अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार यदुनंदन लाल गोस्वामी, जनता अंतर कॉलेज के पूर्व प्रिंसीपल राम मुरारी शुक्ला, नेहरू डिग्री कॉलेज संस्कृत के विभागाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण त्रिवेदी, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सुमन ने दीप प्रज्वल्लन के साथ किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शिव आमंत्रण, छतरपुर (मप्र)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के छत्तरपूर सेवाकेन्द्र द्वारा मेडीकल विंग के तहत दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विशेषरूप से नेत्र जाँच, ब्लड प्रैशर तथा डायबिटीज का चैक-अप किया गया। इस कैम्प का शुभारम्भ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. कपिल खुराना, डॉ. आर के गुप्ता, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके शैलजा तथा बीके माधुरी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। कैम्प के शुभारंभ अवसर पर बीके शैलजा ने कहा कि इस कैम्प का मुख्य उद्देश्य है लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना है ताकि भारत सरकार के स्वस्थ भारत तथा स्वच्छ भारत अभियान को साकार रूप दे सकें।

संपादक बीके कोमल को राजीव गांधी एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

सकारात्मक पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान पर किया सम्मान

शिव आमंत्रण, लखनऊ/आबू रोड। सकारात्मक पत्रकारिता द्वारा समाज में उत्कृष्ट कार्यों के लिए ईनाडू इंडिया के जिला संवादादाता तथा ब्रह्माकुमारीज़ के जनसम्पर्क अधिकारी बीके कोमल तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में किये गये बेहतरीय प्रयासों के लिए ग्लोबल हॉस्पिटल रोटरी इंटरनेशनल ब्लड बैंक के अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह को राजीव गांधी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। लखनऊ के केसरबाग ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश की राजस्वमंत्री राजकुमारी कुशवाहा, अमेठी विधान परिषद् के सदस्य दीपक सिंह तथा आयोजन समिति के चेयरमैन राम प्रकाश वर्मा ने अपने कर कमलों से दिया।

ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार का आयोजन | **गुरुग्राम के ओआरसी में मधुमेह नियंत्रण भारत अभियान विषय पर दिया प्रशिक्षण**

योग एवं ध्यानविधि से ही मिलेगी बीमारियों से मुक्ति : डॉ. नागेन्द्र

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

मधुमेह का सबसे बड़ा कारण तनाव है। तनाव से इसके हार्मोन्स बढ़ते है। अगर हम योगा और ध्यान योग को अपने जीवन का आधार बना दें तो अनेक बीमारियों से स्वत: मुक्त हो सकते है।

उक्त विचार व्यक्त किये विवेकानन्द योगा अनुसंधान संस्थान के उप-कुलपति, डॉ. नागेन्द्र ने। वे ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर में 21 से 26 नवम्बर तक भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मधुमेह नियंत्रण भारत अभियान विषय पर कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमने बहुत वर्षों के अनुसंधान से पाया है कि योगा और ध्यान से हम कैन्सर जैसी भयानक बिमारी से भी मुक्ति पा सकते है। इसके लिये हमें स्वयं के भीतर जाना पड़ेगा क्योंकि %यादातर बीमारियाँ सबसे पहले मन से शुरू होती है। मन सशक्त हो जाये तो बहुत से बीमारियाँ तो समूल नष्ट हो जायेगी। मानसिक सशक्तिकरण के लिये ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान निरंतर तत्पर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर ये दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम है।ओआरसी की निदेशिका बीके आशा ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि भारत सरकार इस प्रकार के आयोजनों से आम आदमी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही है। लोगों के प्रति यह कार्य अत्यन्त लाभप्रद साबित होगा। उन्होंने कहा कि ओआरसी में जहाँ सुन्दर ज्ञान और योग के शक्तिशाली प्रकम्पन्न चारों ओर प्रवाहित हो रहे है, ऐसे में कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित है।

ब्रह्माकुमारीज़ के गुरुग्राम स्थित ओआरसी परिसर में मधुमेह नियंत्रण भारत अभियान में सहभागी प्रतिभागी।

जागरूकता आएगी

केन्द्रीय योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के निदेशक डॉ. ईश्वर आचार्य ने कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से लोगों में योग के प्रति अधिक जागरूकता आएगी। भारत में प्राचीन समय में योग का प्रचलन अधिक था, लोग स्वस्थ रहते थे। अतः ऐसे समय में यह जागरूकता अभियान अत्यन्त लाभप्रद है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. गायत्री ने किया।

जयपुर में नवनिर्मित भवन मानव सेवा को समर्पित

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी, बीके सुषमा व अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, जयपुर। जयपुर में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शास्त्री नगर सेवाकेन्द्र द्वारा नवनिर्मित भवन का उद्घाटन समारोह जन उपयोगी भवन में मनाया गया। भवन का उद्घाटन संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने किया। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा बनाये जाने वाले भवनों का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा का ही होता है। जिस तरह से युवा पीढ़ी संस्कार की गरिमा से दूर हो रही है, अपने कर्त्तव्य से विमुख हो रही है, इसके लिये संस्थान का हर संभव प्रयास रहता है कि युवा पीढ़ी और समाज का हर वर्ग फिर से मानव मुल्यों से सरोकार हो जाये और इस दुनिया का नक्शा बदल जाये। इस मौके पर एस. एन. ग्रुप के ओनर सत्य नारायण गुप्ता, पार्षद विद्याधर, इलाहाबाद सबजोन संचालिका बीके मनोरमा, जयपुर सबजोन संचालिका बीके सुषमा, वैशाली नगर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके चंद्रकला तथा बीके मदनलाल शर्मा उपस्थित रहे।

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने किया उद्घाटन

जागरुकता यातायात प्रभाग द्वारा सफल सुरक्षित जीवन यात्रा अभियान चलाया

सड़क पर चलें तो संयम पालन करें

शिव आमंत्रण ■ करनाल

सड़कों पर दिनोंदिन यातायात बढ़ता जा रहा है। ऐसे में सड़कों के नियमों का सख्ती से पालन करना अति आवश्यक है। इन नियमों की अनदेखी से आये दिन एक्सीडेंट होते रहते है। सड़कों पर सबसे ज्यादा जरूरत होती है संयम पालन की। उक्त विचार व्यक्त किये हरियाणा की आईजी सुमन मंजरी ने। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के यातायात प्रभाग द्वारा सफल सुरक्षित जीवन यात्रा अभियान के हरियाणा के करनाल सेक्टर-7 में पहुँचने पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य दे रही थी। इस अवसर पर विकास परिषद के प्रेजीडेंट आदित्य बंसल, प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके सुरेश शर्मा, मुंबई से बीके कविता, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके प्रेम मुख्य रूप से उपस्थित थी।

करनाल में यातायात एवं परिवहन प्रभाग सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथि।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर संयम की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ज्यादातर एक्सीडेंट जल्दबाजी के कारण होते है। ऐसे में संस्था के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा जो अभियान चलाया जा रहा है वह अति आवश्यक चरण है जागरूकता के लिये तथा दुर्घटनाओं से बचने के लिये। अत: इस अभियान से सम्पूर्ण रूप से जुड़कर हमें इससे सफल बनाना चाहिये।

उन्होंने सेव किड्स लाईफ यूएनए के प्रोजेक्ट की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अन्त में बीके प्रेम ने सभी अभियान यात्रियों का आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित जनों से अपील करते हुए कहा कि वे सभी भी यातायात के नियमों का पालन करे तथा सफल एवम् सुरक्षित यात्रा के सहभागी बने।

जागरूक बनें

बीके सुरेश ने कहा कि आज यातायात नियमों की अनदेखी, जल्दबाजी तथा नशा भी काफी हद तक जिम्मेवार है सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं के लिये। आज यातायात नियमों की जागरूकता बेहद आवश्यक है। हर नागरिक को अपनी जिम्मेवारियों के प्रति जागरूक होना चाहिये ताकि इन विपत्तियों से बचा जा सके। यातायात की सुरक्षा के लिये अभिभावक 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोई भी वाहन न दें ताकि किसी भी दुर्घटना की आशंका ही ना रहे। कम उम्र के बच्चों को सड़क के कायदे-कानून पूरे ज्ञात नहीं होते और दुर्घटनाओं में इजाफा होने का यह भी एक कारण है।

एडिक्शन फ्री इंडिया काउंसलिंग सेंटर से निःशुल्क ले सकेंगे सलाह

शिव आमंत्रण ■ मुंबई

देश में तेजी से बढ़ रहे व्यसनों के प्रभाव को देखते हुए ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा देश भर में व्यसनमुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों को व्यसनों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और इनके रोकथाम के लिए मुंबई के कल्याण वेस्ट में माई इंडिया एडिक्शन फ्री इंडिया काउंसलिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्याण के मेयर राजेन्द्र देवलकर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अल्का अवलस्कर, गायनोकोलोजिस्ट डॉ. भारती घिवलीकर, समाजसेवी प्रकाश शिंदे, कल्याण सबजोन प्रभारी बीके अल्का उपस्थित थीं।

मेयर राजेन्द्र देवलकर ने कहा कि संस्था का हर कार्य प्रशंसनीय है। नशा जिस तरह अपनी जड़े मजबूत कर रहा है ऐसे समय में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने जो अभियान शुरू किया है, वह समय की जरूरत है। हमें ऐसे शुभ कार्य में संस्था का पूर्णरूप से सहयोग करना चाहिये। बीके अल्का ने व्यसनमुक्ति अभियान के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि आज नशे की वजह से दिनोंदिन सामाजिक व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। हम एक तरफ तो विकास के सोपान पर चढ़ रहे हैं लेकिन नशा इस उन्नति की सीढ़ी को खोखला करता जा रहा है। अत: हमें इस सामाजिक बुराई से स्वयं को बचाना है। इससे मुक्त होने में राजयोग आप सभी के लिये सम्पूर्ण रूप से

अपने विचार और मन को स्वच्छ बनाएं

शिव आमंत्रण ■ इंदौर

संस्था के समाज प्रभाग द्वारा कोटा से खंडवा तक स्वच्छ समाज स्वस्थ समाज आभियान निकाला गया। इस अभियान के इन्दौर पहुँचने पर यहाँ ओमशांति भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मांउट आबू से बीके ओंकार, इन्दौर जोन की मुख्य क्षेत्रीय संयोजिका बीके हेमलता, लायंस क्लब के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुरेश जैन, ओमप्रकाश बिदासरिया, रमेश गुप्ता, तवलीन फांउडेशन से डॉ. उज्जवल, पूर्व महापौर उमा शशि शर्मा, क्षेत्रीय

पार्षद दलीप शर्मा सहित कई विशिष्ट लोगों ने दीप प्रज्वल्लन के साथ किया। इस दौरान सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत सुन्दर सांस्कृतिक नृत्य द्वारा किया गया। उपस्थित सभी विशिष्ट जनों ने अपने संबोधन में कहा कि हमें बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ आंतरिक स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

बापदादा ने किया पॉवर ऑफ सकाश एप का शुभारंभ

शिव आमंत्रण, आबू रोड। 5 दिसंबर को बापदादा ने डॉयमंड हॉल में पॉवर ऑफ सकाश मोबाइल एप का शुभारंभ किया। इसे भाई-बहन अपने मोबाइल में डाउनलोड पर अपने पुरुषार्थ में तीव्रता ला सकते हैं। आप इसे गूगल प्ले स्टोर में जाकर अपने मोबाइल में इस्टाल कर सकते हैं। इससे अब तक करीब 40 हजार से अधिक भाई-बहनों ने जुड़कर ज्ञान और योग के पुरुषार्थ में तीव्रता लाई है। साथ ही कई लोगों का एप से जुड़ने के बाद जीवन परिवर्तन हुआ है। इसमें एक ऑप्शन ये भी है कि आप किसी समस्या या परेशानी में हैं तो अपनी फोटो निकालकर इसमें अपलोड

कर दें। सकाश टीम के 40 हजार मेंबर योग के माध्यम से शांति के बायब्रेशन देंगे।

चरित्र निर्माण ही शिक्षा का मूल उद्देश्य : बीके भगवान

शिव आमंत्रण, फतेहगढ़। आज इंसान धन के पीछे सब कुछ गंवा रहा है। उसे ये समझ होनी चाहिये कि धन से भी आवश्यक है चरित्र। अगर चरित्र गया तो सब कुछ चला गया। चरित्रहीन व्यक्ति किसी काम का नहीं रहता है। अत: शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल धन प्राप्ति ना होकर चरित्र निर्माण भी होना चाहिये। उक्त विचार व्यक्त किये मांउट आबू से आये बीके भगवान ने। वे उत्तरप्रदेश के फतेहगढ़ सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें ये अपना नियम बना लेना चाहिये कि मुझे अपना जीवन नैतिकता, सच्चाई, ईमानदारी के साथ ही जीना है। जिसका जीवन इन गुणों से भरपूर होता है वह व्यक्ति ही समाजोपयोगी होता है। प्रिंसिपल रविश चंद्र ने कहा कि जीवन में नैतिक शिक्षा का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था जिस तरह से हर स्तर पर नैतिकता का पाठ पढ़ा रही है वह सराहना के योग्य है।

मेडीकल कॉलेज व डॉक्टर्स को बताए राजयोग के फायदे

व्यस्तता में भी व्यवस्था बनाएं रखें

वर्धमान मेडिकल कालेज में चिकित्सकों तथा विद्यार्थियों के साथ आयोजित कार्यक्रम में डा. एके दत्ता तथा बीके रूमा एवं अन्य।

शिव आमंत्रण ■ पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में वर्धमान के मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर्स तथा स्टूडेन्टस के लिए इजी मेडिटेशन फॉर बिजी डॉक्टर्स विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रवक्ता के रूप में बीके रूमा ने कहा कि डॉक्टर्स की दिनचर्या व्यस्त होती जा रही है। जिसका प्रभाव उनके पारिवारिक तथा सामाजिक सम्बन्धों पर भी दिखाई देता है। ऐसी स्थिति में राजयोग का अभ्यास हमारे लिए अत्यन्त आवश्यक है। यह हमारी मन को शक्ति तथा शान्ति से भरपूर करता है और इन दोनों चीजों की हमें कार्यक्षेत्र पर अत्यन्त आवश्यकता होती है। इस अवसर पर पीडियाटिक्स के विभागाध्यक्ष डॉ. एके दत्ता, डॉ. तारक नाथ, कम्युनिटी मेडीसिन से डॉ. रविन्द्र नाथ राय, डीन डॉ. पार्थाप्रतिम मुखोपाध्याय, गायनाकॉलोजिस्ट डॉ. देबोब्रोतो राय, डॉ. तारा शंकर मलिक, एनाटोमी डॉ. देबाशिश विश्वास तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

नियमित राजयोग मेडिटेशन से जीवन में आएगी सुख-शांति

दिल्ली के नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में अतिथियों को सौगात देती बीके डेनिस लारेन्स।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। दिल्ली के हरिनगर सेवाकेन्द्र द्वारा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में राजयोग मेडीटेशन से करें सुरक्षा की अनुभूति विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के यूरोपीयन देशों में सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बीके डिनीस, लॉ यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रो. रनबीर सिंह, नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ से प्रो. वी सी विवेकानंदन, हरि नगर सेवाकेन्द्र से बीके नेहा, बीके सुनील उपस्थित थे। बीके डिनीस ने कहा कि हम इस भौतिक संसार के संसाधनों में स्थायी सुख-शांति एवं सुरक्षा की अनुभूति नहीं कर पा रहे है। यदि हम थोड़ा सा समय निकालकर नियमित राजयोग का अभ्यास करें तो निश्चित रूप से हम स्थायी सुख-शांति, शक्ति की अनुभूति कर सकेंगे।

आध्यात्मिकता सिखाती है अच्छा बनना

शिव आमंत्रण, धमतरी। छत्तीसगढ़, धमतरी के दिव्यधाम सेवाकेन्द्र पर स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी का रहस्य विषय पर पाँच दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन रोटरी क्लब के अध्यक्ष विनय अग्रवाल, हीरोहोंडा शोरूम के प्रोप्राईटर दिनेश राठी, मुख्य वक्ता प्रो. ई वी गिरीश, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सरिता ने दीप प्रज्वल्लन के साथ किया। मुख्य वक्ता ई वी गिरीश ने कहा कि आध्यात्मिकता का सीधा और सरल शब्दों में अर्थ होता है अच्छा बनना। इसका किसी प्रवचन, रगं, खानपान, वस्त्र अथवा धर्म से कोई संबंध नहीं है। आध्यात्मिकता तो केवल आचरण सिखाती है, जीवन जीने का तरीका सिखाती है।

शिव दर्शन एक्सप्रेस पहुंची अनूपशहर

शिव आमंत्रण, अनूपशहर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा दी जाने वाली परमात्म शिक्षाओं से सुसज्जित शिव दर्शन एक्सप्रेस के उत्तरप्रदेश के अनूपशहर में पहुँचने पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एस डी एम हेरपाल सिंह ने कहा कि संस्थान का जनजागृति के लिये यह अनूठी पहल है। जिसमें आत्मज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक जीवनोपयोगी सामग्री का भी समावेश है। कार्यक्रम के पश्चात् सेवाकेन्द्र संचालिका बीके मीना तथा एसडीएम हेरपाल ने शिव दर्शन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर जनसेवाओं के लिये रवाना किया।

जिला सभागृह में पढ़ाया खुशी का पाठ

शिव आमंत्रण, मेरठ। मेरठ के जिला सभागृह में ट्रांसफॉर्मिंग स्ट्रेस इंटू हैपीनस विषय पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को वर्कशॉप करवायी गई। इसमें मेरठ की डीएम बी चंद्रकला, संस्थान से आई.एम.सी. बीके डॉ. सुनीता, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सुनीता उपस्थित रही। इस मौके पर बीके डॉ. सुनीता ने कहा कि आध्यात्म से जुड़कर हमें शक्ति मिलती है और तन-मन का तनाव कम होता है। जितना हम तनाव से बचे रहेंगे, उतना ही हम खुश और शक्तिशाली रह सकते है। पूर्व आईएएस बीके सीताराम मीणा ने सभी आधिकारियों से संस्थान के द्वारा सिखाये जाने वाले नि:शुल्क राजयोग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सलाह दी।

अभियान नारी जाति के उत्थान में सहायक

शिव आमंत्रण, गोवा। आज समाज में नारी की जो दशा है वह काफी विचारणीय है। ऐसे में यह अभियान नारी जाति के उत्थान में अति सहायक सिद्ध होगा। उक्त विचार व्यक्त किये विधायक ग्लेन साउजा टिक्लो ने। वे संस्था के पणजी सेवाकेन्द्र द्वारा संस्था के वुमेनस विंग द्वारा चलाए जा रहे नारी दिव्यत्व दर्शन अभियान के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित सभा को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र संचालिका बीके दर्शन तथा बीके शोभा सहित अनेक सदस्यों ने शिव ध्वज दिखाकर इस अभियान को रवानगी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ये अभियान अति आवश्यक है। इससे समाज में एक नई जागरूकता का संचार होगा।

सम्पूर्ण करीमगंज को तनावमुक्त बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ की पहल

शिव आमंत्रण, करीमगंज। आसाम के करीमगंज को पूर्णतया तनावमुक्त बनाने के लिये संस्थान के करीमगंज सेवाकेन्द्र ने 11 दिवसीय अलविदा तनाव शिविर का आयोजन किया। शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में वलसाड से आयी बीके पारूल ने तनावमुक्ति के लिए सकारात्मक जीवनशैली के बारे में सभी को

अवगत करवाया। इसके साथ ही राजयोग ध्यान द्वारा उपस्थित हजारों की संख्या में लोगों को परमात्म शक्ति की अनुभूति भी करायी। कार्यक्रममें अतिरिक्त उपायुक्त सुजीत बगलारी, पुलिस अधीक्षक प्रदीप रंजन, कमाडेंट संजीव शेखर राय, कमाडेंट सुखविंदर सिंह, बीके पारूल उपस्थित थी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समाचार

नैतिक मूल्यों की धारणा ही सच्चा विकास

शिव आमंत्रण, लंदन। लंदन के साउथहॉल में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पानीपत के ज्ञानमानसरोवर के निदेशक बीके भारत भूषण मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए बीके भारत भूषण ने कहा कि वर्तमान में बाह्य विकास बहुत हो रहा है लेकिन इतना विकास होते हुए भी मानव मन को सच्चा सुख नहीं मिल रहा है। ऐसे में आध्यात्मिक ज्ञान की बेहद आवश्यकता है ताकि हम अपने नैतिक मूल्यों के साथ विकास के जगत में आगे बढ़े और विकास के नये आयाम स्थापित कर सके।

यूके में भागवत गीता पर प्रवचन

शिव आमंत्रण, यूके। यूके के नॉर्घिटम सेवाकेन्द्र द्वारा सीक्रेट्स ऑफ श्रीमद् भगवद् गीता विषय पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शहर के विशिष्ट लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बीके भारत भूषण ने श्रीमद् भगवद् गीता के आध्यात्मिक रहस्यों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता किसी एक धर्म से सम्बन्धित नहीं है लेकिन इसमें सम्पूर्ण मानव जाति को सम्बोधित किया गया है। यह गीता ज्ञान हर मनुष्य को व्यावहारिक तौर पर मार्गदर्शना प्रदान करता है।

विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन में डॉ. बिन्नी का शांतिदूत के रूप में चयन

शिव आमंत्रण, अमेरिका। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की सदस्या बीके बिन्नी को साल्ट लेक सिटी में आयोजित विश्व आध्यात्मिक सम्मेलन में भारत से शान्तिदूत के रूप में चयन किया गया। यह घोषणा ग्लोबल पीस इनिशीयेटिव के अध्यक्ष डॉ. पाल फलिंघम ने की। इस तीन दिवसीय सम्मेलन के शुभारम्भ पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। सम्मेलन में 45 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि शान्ति, प्यार व सद्भावना आदि गुणों का विस्तार विश्व में जितना अधिक होगा उतना ही जल्दी विश्व एक नया रूप लेगा जिसमें शांति का सूर्य हमेशा उदय रहेगा। इस कार्यक्रम में डॉ. बिन्नी के साथ-साथ बीके मोरीन तथा बीके बिन्दू ने भी अपनी विशेष प्रस्तुति दी।

राजयोग से आती है आंतरिक मजबूती

शिव आमंत्रण, रशिया। मास्को में भारतीय दूतावास में महिला एवं परिवारिक मूल्य विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भारतीय दूतावास की शिक्षामंत्री अंजलि पाण्डे, मास्को में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका बीके सुधा, इंडियन वुमेन एसोसिएशन के मेम्बर्स मुख्य रूप से उपस्थित थे। बीके सुधा ने वर्तमान में नैतिक मूल्यों का पतन होना चिन्ता का विषय है। अगर यही हालात रहे तो सुखद भविष्य की कामना करना व्यर्थ है। संस्था द्वारा सिखाया जाने वाला राजयोग हमें आन्तरिक तौर पर मजबूत करता है तथा नैतिक मूल्यों का अनुकरण करने में मददगार साबित होता है। अत: इस ज्ञान को हमें अवश्य ग्रहण करना चाहिये।

कार्यक्रम में बीके संगीता सम्मानित

शिव आमंत्रण, कड़ी। गुजरात के कडी में भारतीय जनता पार्टी के स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। डिप्टी सीएम नितिन पटेल, पार्टी के जिला प्रमुख जीतू वाघानी, सांसद जयश्री पटेल, सेवाकेन्द्र संचालिका बीके संगीता उपस्थित रहीं। डिप्टी सीएम नितिन पटेल ने बीके संगीता को समाज सुधारक के रूप में दिये गये अतुलनीय योगदान के लिये शॉल ओढाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आन्तरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक सम्पूर्ण अखबार है। जिससे आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है। यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य	: 90 रूपये
तीन वर्ष	: 260 रूपये
आजीवन	: 2200 रूपये

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510
आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान
मो.8769830661, 9413384884
Email: shivamantran@bkivv.org,
bkkomal@gmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month
सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**